

त्साराप चू संरक्षण रज़िर्व

स्रोत: डी.टी.ई.

हमिचल प्रदेश (HP) ने उच्च हिमालयी जैवविविधता की रक्षा और हमि तेंदुए के आवासों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** की धारा 36A(1) के तहत त्साराप चू संरक्षण रज़िर्व को अधिसूचित किया है।

त्साराप चू संरक्षण रज़िर्व:

- **परिचय:** यह भारत का सबसे बड़ा संरक्षण रज़िर्व है (क्षेत्रफल 1585 वर्ग कमी.), जो सपीतघाटी में स्थित है और यह राज्य का पाँचवाँ संरक्षण रज़िर्व है, जो दरलाघाट, नैना देवी, पॉटर हलि और शिल्ली रज़िर्व के साथ जुड़ता है।
 - यह उत्तर में लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश, पूर्व में कबिबर वन्यजीव अभयारण्य एवं मलांग नाला, दक्षिण में कबजमि नाला और पश्चिम में चंद्रताल वन्यजीव अभयारण्य से घिरा हुआ है।
- **महत्त्व:** यह क्षेत्र पारस्थितिक रूप से महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह चारप नाला के जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है और कबिबर वन्यजीव अभयारण्य तथा चंद्रताल वन्यजीव अभयारण्य (हमिचल प्रदेश) के बीच एक महत्त्वपूर्ण वन्यजीव गलियारे के रूप में कार्य करता है।
- **वनस्पति एवं जीव:**
 - यह क्षेत्र हमि तेंदुए ("पहाड़ों का भूत") की उच्च घनत्व के लिये जाना जाता है और अन्य प्रमुख जीवों में तबिबती भेड़िया, भरल (नीली भेड़), हिमालयन आइबेक्स, कयांग (जंगली गधा) और तबिबती अर्गाली शामिल हैं।
 - यहाँ रोज़ फचि, तबिबती रेवेन और पीली चोंच वाली चोंग जैसे दुर्लभ पक्षी भी पाए जाते हैं।

संरक्षण रज़िर्व:

- संरक्षण रज़िर्व **संरक्षित क्षेत्र (Protected Areas)** होते हैं, जिनमें सरकारी भूमि पर स्थापित किया जाता है और जो राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों या अन्य संरक्षित क्षेत्रों को जोड़ने वाले गलियारों या बफ़र जोन के रूप में कार्य करते हैं।
- इन रज़िर्व को **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** की धारा 36A के तहत अधिसूचित किया गया है, और इन्हें स्थानीय समुदायों, पंचायतों एवं संरक्षण भागीदारों के साथ समन्वित रूप से प्रबंधित किया जाता है।

Categories of Protected Areas in India			
National Parks	Wildlife Sanctuaries	Conservation Reserves	Community Reserves
<p>A National Park is a form of protected area which is strictly reserved for the betterment of the wildlife and biodiversity, with much higher levels of restriction in terms of human entry and no human activity, such as foraging, grazing, cultivating and collection of firewood from fringe areas is allowed within National Parks.</p> <p>□ Kanha National Park, Kaziranga National Park, Gir National Park, Ranthambore National Park</p>	<p>A Wildlife Sanctuary is a naturally occurring geographic territory that safeguards wildlife and provides the species protection from poaching, hunting, predation etc. Some human activities are allowed inside wildlife sanctuaries such as grazing and collecting forest produce. Technically, a wildlife sanctuary may be a separately existing entity or it can stand within a national park. There have been instances where a wildlife sanctuary have been upgraded into a national park.</p> <p>□ Periyar Wildlife Sanctuary, Bhagwan Mahavir Wildlife Sanctuary, Indian Wild Ass Sanctuary, Kaimur Wildlife Sanctuary</p>	<p>Conservation Reserves are a form of protected areas, which act as buffer zones or migration corridors between established national parks, wildlife sanctuaries and reserved and protected forests of India.</p> <p>□ Jayamangali Blackbuck Conservation Reserve, Sundha Mata Conservation Reserve, Chari-Dhand Wetland Conservation Reserve, Naina Devi Himalayan Bird Conservation Reserve</p>	<p>Community Reserves are declared by the State Government in any private or community land. The land for the Community Reserve should not fall within a National Park, Sanctuary or a Conservation Reserve. It is essentially an area where an individual or a community has volunteered to conserve wildlife and its habitat.</p> <p>□ Abushehar Community Reserve, Dambuk Attong Community Reserve, Lalwan Community Reserve</p>

और पढ़ें: [भारत में संरक्षित क्षेत्रों का संरक्षण](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/tsarap-chu-conservation-reserve>

